Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

Department of Commerce

Semester: III **Subject: Indian Economy**

Unit 1: Indian Economy and its Problems

Topic: Skill India Mission

Skill India Mission as a Government Measure to Remove Unemployment

Introduction / परिचय

Unemployment is one of the major challenges faced by India due to its large population and skill mismatch in the labor market. To tackle this, the Government of India launched the **Skill India Mission** on **15th July 2015** with the aim of training over **40 crore people by 2022** in various skills. It seeks to empower the youth with employable skills, reduce unemployment, and promote self-reliance.

भारत की बड़ी आबादी और श्रम बाजार में **कौशल असंगति (skill mismatch)** के कारण बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत सरकार ने **कौशल भारत मिशन (Skill India Mission)** की शुरुआत **15 जुलाई 2015** को की। इसका उद्देश्य **2022 तक 40 करोड़ से अधिक लोगों को कौशल प्रशिक्षण** देना था, ताकि युवाओं को रोजगार योग्य बनाया जा सके, बेरोजगारी घटे और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले।

Objectives / उद्देश्य

1. To provide training in industry-relevant skills.
2. To reduce unemployment by creating job opportunities.
3. To encourage entrepreneurship and self-employment.

4. To upgrade traditional skills of workers and recognize prior learning.
5. To enhance the competitiveness of India's workforce at the global level.

1. उद्योग से संबंधित कौशलों में प्रशिक्षण देना।
2. रोजगार के अवसर पैदा कर बेरोजगारी को कम करना।
3. उद्यमिता और स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करना।
4. पारंपरिक कौशल को उन्नत करना और पूर्व ज्ञान को मान्यता देना।
5. भारत की कार्यशक्ति को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना।

Key Components / प्रमुख घटक

1. **Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY):** Short-term training programs with certification and placement assistance.
2. **National Skill Development Corporation (NSDC):** Public-private partnership that funds and promotes skill development institutes.
3. **Skill Loan Scheme:** Provides loans to youth for skill training programs.
4. **Vocational Education & Training:** Introduced in schools and colleges to build employability at an early stage.
5. **Special focus on women, rural youth, and marginalized groups** to ensure inclusive growth.

1. **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):** अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम जिनमें प्रमाणपत्र और प्लेसमेंट सहायता दी जाती है।
2. **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC):** सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल जो प्रशिक्षण संस्थानों को बढ़ावा और वित्तपोषण करता है।
3. **कौशल ऋण योजना:** युवाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए ऋण उपलब्ध कराना।
4. **व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण:** विद्यालयों और महाविद्यालयों में रोजगार योग्यता बढ़ाने हेतु शामिल।
5. **महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और वंचित वर्गों पर विशेष ध्यान** ताकि समावेशी विकास सुनिश्चित हो।

Impact on Unemployment / बेरोजगारी पर प्रभाव

- Provides **industry-ready workforce**, reducing skill mismatch.
- Increases **employability of youth**, especially in sectors like IT, healthcare, manufacturing, construction, and retail.
- Encourages **entrepreneurship and startups**, creating self-employment.
- Enhances **global recognition of Indian workers** through certification.
- Strengthens flagship schemes like *Make in India*, *Digital India*, and *Startup India.*

- उद्योग-तैयार कार्यशक्ति तैयार करता है, जिससे कौशल असंगति कम होती है।
- युवाओं की **रोजगार क्षमता** बढ़ाता है, खासकर आईटी, स्वास्थ्य, विनिर्माण, निर्माण और खुदरा क्षेत्र में।
- **उद्यमिता और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करता है**, जिससे स्व-रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।
- भारतीय श्रमिकों की **वैश्विक पहचान बढ़ती है** प्रमाणपत्र के माध्यम से।
- *मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया* जैसी प्रमुख योजनाओं को मजबूती देता है।

Conclusion / निष्कर्ष

The **Skill India Mission** is a significant step by the government to transform India into a hub of skilled manpower. By equipping youth with practical and employable skills, it not only reduces unemployment but also contributes to economic growth, self-reliance, and global competitiveness.

कौशल भारत मिशन भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसका उद्देश्य देश को कुशल मानव संसाधन का केंद्र बनाना है। यह युवाओं को व्यावहारिक और रोजगार योग्य कौशल प्रदान कर न केवल बेरोजगारी को कम करता है बल्कि आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी योगदान देता है।